एक नजर में

तत्वचिंतन चातुर्मास टांडा में सिद्धितप आरंभ

टांडा . पुण्य सम्राट श्रीमद विजय जयंतसेन सूरीजी महाराज सा की कृपा पात्र नगरी टांडा में वर्तमान गच्छाधिपति धर्मदिवाकर ह्रदय सम्राट श्रीमद विजय नित्यसेन सूरीजी महाराज वर्तमान आचार्य जयरत्न सूरीजी महाराज सा की आज्ञानुवर्ती चातुर्मास हेतु विराजित पूज्य साध्वीजी तत्वलता श्रीजी महाराज सा आदि ठाणा 4 की निश्रा में 16 जुलाई से सिद्धितप की आराधना प्रथम निराहार उपवास से प्रारंभ हुई पूज्य साध्वी जी भगवंत ने 36 आराधको को उपवास के पच्चखान दिए 44 दिन चलने वाली इस तपस्या में 36 दिवस उपवास तथा 8 दिवस बियासन रहेंगे ।15 जुलाई को सभी तपस्वियों को पूज्य साध्वी जी भगवंत की निश्रा में खाचरोद से आए विधि कारक पंकज जी चोपड़ा ने विधि विधान से कलश भरवाए कलश में साध्वीजी भगवंत द्वारा वासक्षेप से अभिमंत्रित अक्षत अखंड सुपारी लोंग इलायची नगद सिक्का आदि भरवाए गए कलश भराने का लाभ श्री सागरमल जी गेंदालाल जी चौधरी परिवार ने लिया तपस्वियों को तिलक लगाकर बधाने का लाभ श्री संतोष कुमार जी राजमल जी रतनलाल जी डांगी परिवार द्वारा लिया गया कलश पर श्रीफल बांधने का लाभ पंकज कुमार जी चोपड़ा खाचरोद ने लिया कलश की अष्ट द्रव्य से पूजन कर सभी तपस्वी को अपने घर पर स्थापित करने हेतु दिए गए । तपस्या के दौरान सभी तपस्वियों के बियासने का लाभ श्री संतोष कुमार जी राजमल जी रतनलाल जी डांगी परिवार ने लिया 15 जुलाई को सभी तपस्वियों को जैन श्रीसंघ तथा चातुर्मास समिति की ओर से (धारणा) उत्तर पारणा करवाया गया । शैतानमल जी हीराचंद जी चौहान परिवार द्वारा सभी तपस्वियों को प्रभावना वितरित की गई ।पूज्य साध्वी जी तत्वलता श्री जी ने सिद्धितप का महत्व बताते हुए कहा की सच्चे भाव से परमात्मा की आज्ञा अनुसार किया गया तप आठ कर्मो का क्षय करता हे तब यह आत्मा निर्मल हो जाती हे तथा सिद्ध पद को प्राप्त करती है जन्मों जन्म की भव भ्रमण से छुटकारा मिल सकता हे । पूज्य साध्वी जी भगवंत ने सभी तपस्वी की तपस्या निर्विघ्न हो तथा सुख साता पूर्वक पूर्ण हो इसलिए तपस्वियों के सिर पर वासक्षेप डालकर आशीर्वाद दिया।

शिव का उपासक ज्ञानी है,शिव की भक्ति भवसागर पार लगाती है : पं. शुक्ला

पेटलावद । उपासक को निष्काम होकर मोक्ष की प्राप्ति के लिए भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए ।भक्तिभाव से विधिपूर्वक शिव की पूजा कर जलधारा अर्पित करना चाहिए । मृत्युंजय मंत्र के 5 लाख जाप पूर्ण होने पर भगवान शिव के दर्शन प्राप्त होते है । लक्ष्मी अर्थात धन की कामना करने वाले मनुष्य को कमल के फूल ,बेलपत्र, शतपत्र और शंखपुष्प से भगवान शिव की अर्चना करनी चाहिए । अलग अलग फल की प्राप्ती के लिए अलग अलग फूल व पूजन विधि शिवपुराण में बताई गई है । उक्त बात शिव पुराण कथा के पांचवे दिन व्यास पीठ से आचार्य पं . प्रफुल्ल शुक्ला ने कहीं । निलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर शिवपुराण कथा का वाचन चल रहा है । जिसका लाभ सैकडों भक्त प्रतिदिन ले रहे है । कथा 15 दिन तक चलेगी । काशी के निवासी है शिव : पं . शुक्ला ने बताया कि सदाशिव को ही सब मनुष्य परम पुरूष ,ईश्वर,शिव शंभु और महेश्वर कहकर पुकारते है । उनके मस्तक पर गंगा, भाल में चंद्रमा और मुख पर तीन नेत्र शोभा पाते है । उनके पांच मुख है । तथा दस भुजाओं के स्वामी और त्रिशुलधारी है ।भगवान शिव के स्वरूप का वर्णन करते हुए । उनके प्रमुख धाम काशी का वर्णन भी किया गया । कथा प्रसंग में बताया गया कि शिवजी रूद्ररूप में सबका संहार करते है वे शिव स्वरूप सबके साक्षी है । वे माया से भिन्न और निर्गुण है । अपनी सारी शंकाओ और चिंताओं को त्यागकर भगवान शंकर का ध्यान करें । जो मनुष्य शरीर,मन और वाणी के द्वारा भगवान शिव की उपासना करता है उसे ज्ञानी कहा जाता है ।जो मनुष्य शिवजी की भक्ति करते है वह संसार सागर से भवपार लग जाते है । जो लोग पाप रूपी दावानल से पीडित है उन्हे शिव नाम रूपी अमृत का पान करना चाहिए । कथा का वाचन प्रतिदिन सुबह 11 बजे से 5 बजे तक किया जा रहा है । कथा के विश्राम पर महाआरती का आयोजन होता है । जिसमें सभी भक्त सम्मिलित हो कर भगवान की आरती करते है और प्रसादी का लाभ लेते है । मंदिर के पुजारी मनोहरदास वैरागी ने बताया कि कथा के लिए भक्तों में अपार श्रद्धा भाव है और भक्तगण प्रतिवर्ष कथा का अमृतरसपान करते है ।

तीन लोक सेवा केंद्रों के संचालन में लापरवाही पर किया अर्थदंड अधिरोपित

झाबुआ । मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 के तहत जिले के लोक सेवा केंद्र मेघनगर के संचालन हेतु निविदा के माध्यम से आराध्या ग्रुप (प्रो . सतिश अग्निहोत्री) का चयन किया जाकर अनुबंधानुसार लोक सेवा केन्द्र संचालन हेतु अधिकृत किया गया था ।

केंद्र के संचालन के परिपेक्ष्य में एसडीएम मेघनगर के पत्र अनुसार जाति प्रमाण पत्र अभियान अंतर्गत आवेदन प्राप्त होने उपरांत भी ऑनलाइन नहीं करने, निराकृत आवेदनों की हार्ड कॉपी संबंधित संकुल प्राचार्य, अनुभाग कार्यालय, बीईओ, बीआरसी कार्यालय को उपलब्ध नहीं कराये जाने के संबंध में प्राप्त पत्र के परिपेक्ष्य में कार्यालयीन पत्र द्वारा कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया । जारी सूचना पत्र के संबंध में उनके द्वारा आज पर्यन्त जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया । वही लोक सेवा केंद्र रामा के संचालन हेतु निविदा के माध्यम से प्रशु इंटरप्रायजेस का चयन किया जाकर अनुबंधानुसार केंद्र संचालन हेतु अधिकृत किया गया था ।

केंद्र के संचालन के परिपेक्ष्य में कार्यालयीन पत्र द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया । जारी सूचना पत्र के संबंध में उनके द्वारा प्रतिउत्तर आज दिनांक तक अप्राप्त है । इसी प्रकार लोक सेवा केंद्र पेटलावद के संचालन हेतु निविदा के माध्यम से अंकित जैन निवासी महिदपुर उज्जैन का चयन किया जाकर अनुबंधानुसार केंद्र संचालन हेतु अधिकृत किया गया था । केंद्र के संचालन के परिपेक्ष्य में एसडीएम पेटलावद के पत्र अनुसार जाति प्रमाण पत्र अभियान अंतर्गत आवेदन प्राप्त होने उपरांत भी ऑनलाइन नहीं करने, निराकृत आवेदनों की हार्ड कॉपी संबंधित संकुल प्राचार्य, अनुभाग कार्यालय, बीईओ, बीआरसी कार्यालय को उपलब्ध नहीं कराये जाने तथा केंद्र पर अनुबंध अनुसार व्यवस्था नहीं होने के संबंध में प्राप्त पत्र के परिपेक्ष्य में कार्यालयीन पत्र द्वारा युक्तियुक्त अवसर दिये जाने के संदर्भ में जवाब प्रस्तुत करने हेतु कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया । जारी सूचना पत्र के संबंध में उनके द्वारा ई-मेल के माध्यम से 6 जुलाई को उत्तर प्रेषित किया गया । जिपं सीईओ द्वारा जारी सूचना पत्र, अनुबंध एवं अभिलेखो का परीक्षण किया गया । जिसमें अनुबंधित संचालक लोक सेवा केंद्र मेघनगर के जवाब अप्राप्त होने एवं तदानुसार लापरवाही को दृष्टिगत रखते हुए अनुबंध की कंडिकाओं में उल्लेखित प्रावधान अनुसार आराध्या ग्रुप (प्रो-सतिश अग्निहोत्री) अनुबंधित ऑपरेटर लोक सेवा केन्द्र मेघनगर पर एकमुश्त राशि रुपये 2 हजार रुपये का, लोक सेवा केन्द्र पेटलावद द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषाप्रद नहीं होने एवं तदानुसार लापरवाही को दृष्टिगत रखते हुए अनुबंध की कंडिकाओं में उल्लेखित प्रावधान अनुसार अंकित जैन, अनुबंधित ऑपरेटर लोक सेवा केन्द्र पेटलावद पर एकमुश्त राशि 2 हजार 500 सौ रुपये का एवं लोक सेवा केन्द्र रामा द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं करने एवं तदानुसार लापरवाही को दृष्टिगत रखते हुए अनुबंध में उल्लेखित प्रावधानों के उल्लंघन करने पर प्रशु इंटरप्रायजेस (प्रो . शीलू शुक्ला) अनुबंधित ऑपरेटर लोक सेवा केन्द्र रामा पर एकमुश्त राशि 1 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया है ।

अनुबंधित ऑपरेटर लोक सेवा केन्द्र को सख्त चेतावनी दी कि लोक सेवा केन्द्र का संचालन अनुबंध की शर्तों के अधिन करे । अनुबंधित ऑपरेटर को निर्देशित किया कि लोक सेवा केंद्र उक्त अर्थदंडित राशि जमा कर जमा रसीद की मूल प्रति कार्यालय को प्रस्तुत करें एवं लोक सेवा केंद्र का संचालन अनुबंध की शर्तों के अधिन कर उक्त पुनरावृत्ति न हो ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करे । यदि भविष्य में अनुबंध की शर्तों का पुनः उल्लंघन होता है तो लोक सेवा केन्द्र का संचालन निरस्त कर सुरक्षा निधि राजसात किये जाने की कार्यवाही की जायेगी ।

नगर परिषद के हाल बेहाल सीएमओ को वित्तीय अधिकार नहीं

करीब 2-3 माह से चल रहा आंखमिचौली का खेल, प्रभारी मंत्री ने मांडू की यात्रा की किंतु नगर परिषद की नहीं बदली सूरत

मांडू । मध्य प्रदेश की ख्यात ऐतिहासिक पर्यटन नगरी मांडू का विकास भगवान भरोसे है। पर्यटन और नगरीय क्षेत्र के विकास के सरकारी दावों की खराब तस्वीर यहां देखने को मिलती है। विकास के लिए जवाबदार सबसे महत्वपूर्ण शासकीय संस्था नगर परिषद मैं 90 प्रतिशत पद खाली है। बड़ी बात यह है कि विभाग के मंत्री जिले के प्रभारी मंत्री हैं। उनके जिले में विभागीय व्यवस्थाओं के हाल बदहाल हैं।

मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों को विशेष पैकेज देने का दावा करने वाले नगरीय प्रशासन विभाग की स्थिति यह है कि मांडू में नगर परिषद की वित्तीय स्थिति दयनीय होने के कारण यहां कर्मचारियों की तनख्वाह देने के भी लाले पडे हुए है। चुंगीकार काटकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है। योजनाओं के लिए बजट और पैसा ही नहीं आ रहा है। जो एजेंसी और ठेकेदार यहां विकास कार्य के ठेके ले रहे है विभाग से पर्याप्त बजट न मिलने के कारण भुगतान नहीं हो रहा है। जिसके कारण एजेंसी और ठेकेदार काम छोड़कर भाग रहे है।

दूसरी तरफ जिन लोगों ने अपना कार्य पूर्ण कर दिया है वह अपने कार्य के भुगतान के लिए भटक रहे है। इतना बड़ा पर्यटन स्थल होने के बाद भी यहां नगर परिषद के पास सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर संसाधनों की बड़ी कमी है। दूसरी तरफ विशिष्ट अतिथियों का प्रोटोकॉल होने के कारण यहां होने वाले खर्च और अन्य कारणों से शासकीय सेवक यहा परेशानी की स्थिति में है।

यू समझे बदहाली 91 स्वीकृत पद, 8 भरे, 83 पद खाली

नगर परिषद मांडू में कुल 91 पद स्वीकृत है। इनमें फिलहाल मात्र 8 पदों पर ही कर्मचारी हैं। शेष 83 पद खाली पड़े हुए हैं। भौगोलिक दृष्टिकोण से मध्य प्रदेश की सबसे बडी नगर परिषद जो लगभग 40 किलोमीटर के क्षेत्र में फैली हई है ।यहां काम करने के लिए मात्र 8 कर्मचारी है ।निकाय के भरे पदों मैं मुख्य नगर पालिका अधिकारी फिलहाल(वित्तीय अधिकार नही) ,सहायक राजस्व निरीक्षक, दो भ्रत्य ,एक चौकीदार, दो सफाई संरक्षक एक बागवान ही यहां पदस्थ है। बीते शनिवार को यहां विभाग के कमिश्नर संकेत भोंडवे पहुंचे थे लेकिन उन्हें भी यहां के हालात दिखाई नहीं दिए।

सीएमओ को वित्तीय अधिकार नहीं, इंजीनियर आदि महत्वपूर्ण पद खली

यहां नवागत सीएमओ सुशील ठाकुर पदस्थ हैं पर स्थानांतरित हुए सीएमओ संतराम चौहान को न्यायालय से स्टे मिलने के बाद वह अवकाश पर है। निकाय में दो सीएमओ हो गए हैं। पर सीएमओ के पास वित्तीय अधिकार नहीं होने से नगर के समस्त महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इंजीनियर, राजस्व निरीक्षक, अतिरिक्त राजस्व निरीक्षक, लेखपाल, स्वच्छता निरक्षक, सफाई कर्मियों जैसे 83 महत्वपूर्ण पद खाली है।

विभागीय मंत्री है जिले के प्रभारी फिर भी नहीं सुधर रहे हालत

बड़ी बात यह है कि मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय धार जिले के प्रभारी मंत्री हैं। विभागीय मंत्री के प्रभार वाले जिले मैं ही विभागीय स्थानीय निकायों के यह हाल है तो प्रदेश के अन्य जिलों क्या स्थिति होगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। मांडू को लेकर शासन विकास के दावे करता है पर उसके जमींनी हालात आपके सामने हैं।

शीघ्र भरेंगे महत्वपूर्ण रिक्त पद

नगर परिषद मांडू के विषय में जानकारी है और हम शीघ्र ही महत्वपूर्ण रिक्त पदों पर नियुक्ति कर देंगे। 378 निकाय है और कर्मचारियों की कमी है। मांडू में फुल प्लेस सीएमओ, इंजीनियर, आरआई की नियुक्ति जल्द होगी।
-एसके सिन्हा जेडी

फेस पेंटिंग से प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

झाबुआ । कलेक्टर नेहा मीना की पहल पर महिलाओं की भागीदारी से पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मातृधरा अभियान (नारी शक्ति से प्रकृति को शक्ति) प्रारमं हुआ हैं। प्रकृति संरक्षण के लिए महिलाओं द्वारा फेस पेंटिंग कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया । यह बहुत प्रेरणादायक है कि महिलाएं फेस पेंटिंग जैसे रचनात्मक माध्यम का उपयोग कर प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही हैं। यह न केवल एक कलात्मक अभिव्यक्ति है, बल्कि समाज को जागरूक करने का एक प्रभावशाली तरीका भी है। महिलाओं ने अपने चेहरे पर पेड़, पत्तियां प्राकृतिक तत्वों की पेंटिंग कर यह दर्शाया कि प्रकृति हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। फेस पेंटिंग के जरिए प्लास्टिक मुक्त जीवन, जल संरक्षण, वनों की रक्षा जैसे मुद्दों पर लोगों का ध्यान खींचा गया। मातृधरा अभियान से जुडी महिलाएं बताती है कि यह पहल दर्शाती है कि महिलाएं सामाजिक और पर्यावरणीय बदलावों की प्रमुख वाहक बन रही हैं। कई बार इस तरह की पेंटिंग में लोक कला और पारंपरिक प्रतीकों का उपयोग कर स्थानीय संस्कृति के जरिए भी संरक्षण का संदेश दिया जाता है। फेस पेंटिंग जैसी कलात्मक पहलें जब सामाजिक सरोकारों से जुड़ती हैं, तो उनका प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक होता है। महिलाओं द्वारा किया गया यह प्रयास न केवल पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समाज को प्रेरणा भी देता है कि हर व्यक्ति अपने स्तर पर पर्यावरण की रक्षा में योगदान दे सकता है।

प्रहलाद पटेल ने पंचायत प्रतिनिधियों को दी जिम्मेदारी कहा लगाएं पेड़

वृक्षारोपण अभियान, पंचायत भवन निर्माण और जल संरक्षण पर दिया जोर

धार. पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि ग्रामीण विकास एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे पंचायत प्रतिनिधियों को नियत और न्याय की भावना से स्वीकार करना होगा। वे धार में आयोजित पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बताया कि सांसद रहते हुए उन्होंने सदैव कृषि और ग्रामीण विकास विषयक संसदीय समितियों में रहकर देश भर में इन विषयों को गहराई से समझने का प्रयास किया। अब प्रदेश में मंत्री के रूप में उन्हें इन नीतियों को लागू करने का अवसर मिला है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि अपने क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों, वृक्षारोपण और योजनाओं का रिकॉर्ड पारदर्शिता से रखें।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान का आव्हान- मंत्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है, लेकिन जल संकट की आहट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जल संरक्षण हेतु वृक्षारोपण ही सबसे स्थायी उपाय है। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण का आह्वान किया और कहा कि जो पौधा आप लगाते हैं, उसकी देखभाल आपकी व्यक्तिगत जवाबदेही है।

स्व-सहायता समूहों की भागीदारी- उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण अभियान 2025 में महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन को भी बल मिलेगा।

पंचायत भवनों और सड़कों को मिलेगी मजबूती- मंत्री पटेल ने जानकारी दी कि पुराने, जीर्ण-शीर्ण पंचायत भवनों को तोड़कर 48 लाख और 37 लाख रुपये की लागत से नए भवनों की मंजूरी दी गई है। कोई भी पंचायत अब भवन विहीन नहीं रहेगी।

धार जिले में इस वर्ष 81 पंचायत भवन और 85 पुलियों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। साथ ही, चौथे चरण की प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत अब मजरे-टोले को भी जोड़ा जा सकेगा, जिसके लिए राजस्व ग्राम की शर्त हटा दी गई है।

केंद्रीय राज्यमंत्री और जनप्रतिनिधियों ने की अपील

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री सवित्री ठाकुर ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि सरकार की योजनाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाने का कार्य करें और प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में जुट जाएँ।

सम्मेलन में अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायत प्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया गया। सम्मेलन में जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेढ़ा, विधायक नीना वर्मा और कालूसिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव,नीलेश भारती व चंचल पाटीदार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया तथा जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी सहित बड़ी संख्या में सरपंच व पंच उपस्थित रहे।

नमस्ते दिवस पर स्वच्छता प्रहरियों का आत्मीय स्वागत,नगर परिषद पेटलावद की अनूठी पहल

निकाय के द्वारा कर्मचारियों का स्वागत

पेटलावद-आदिवासी अंचल झाबुआ जिले की नगर परिषद पेटलावद के द्वारा नमस्ते दिवस पर नगर परिषद पेटलावद के द्वारा निकाय के स्वच्छता प्रहरियों का आत्मीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया ।

भास्त सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिकता मंत्रालय द्वारा दिए गए निर्देश एवं झाबुआ जिला कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में नगर परिषद पेटलावद के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में निकाय के स्वच्छता प्रहरियों का हार फूल माला पहनाकर स्वागत सम्मान नगर परिषद की अध्यक्ष ललिता योगेश गामड़,पार्षद मुकेश परमार,वरिष्ठ नेता हेमंत भट्ट एवम मुख्य नगर पालिका अधिकारी अधिकारी आशा जितेन्द्र भण्डारी के द्वारा किया गया ।

इस मौके पर अध्यक्ष ललिता गामड़,हेमंत भट्ट,पार्षद मुकेश परमार ने संबोधित किया । अध्यक्ष ललिता योगेश गामड़ द्वारा बताया गया कि आप कर्मचारियों से हमारा पेटलावद स्वच्छ व सुंदर है ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेन्द्र भण्डारी ने बताया की उक्त योजना का उद्देश्य मेला धोने एवम कचरा संग्रहण करने वाले व्यक्तियों को स्वरोजगार से जोड़ना है तथा स्वच्छता कर्मियों के लिए सफाई एवं गरिमा को बढ़ाना है ।

हेमंत भट्ट द्वारा संबोधित किया गया कि निकाय के द्वारा समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्तियों को स सम्मान मुख्य धारा से जोड़ना और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है । मुकेश परमार द्वारा भी संबोधित कर बताया गया कि नगर को स्वच्छ रखने की जवाबदेही निकाय के कर्मचारियों के साथ साथ हम प्रत्येक व्यक्ति व जनप्रतिनिधियों की भी है सीएमओ आशा भण्डारी ने बताया की निकाय के द्वारा आज ही लगभग 70 पुरुषों और महिलाओं का सम्मान किया गया था उन्हें नमस्ते दिवस योजना के बारे मे जानकारी दी गई । इस मौके पर नगर परिषद के उपयंत्री दीपक वास्कले,बद्रीलाल शेपटा, सोनू, विनय व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे । संचालन मुकेश सोलंकी द्वारा किया गया ।आभार शुभम देवड़ा द्वारा माना गया ।

अभियान के दूसरे दिन जनजागरूकता कार्यक्रम

झाबुआ । मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 15 दिवसीय नशे से दूरी, है जरूरी नशामुक्ति अभियान के तहत 16 जुलाई को झाबुआ जिले के पेटलावद अनुभाग में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ । रक्षा सखी पुलिस टीम द्वारा रायपुरिया तिराहा, कल्याणपुरा एवं प्राथमिक विद्यालय कल्याणपुरा, हाई-स्कूल कल्याणपुरा में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें विभिन्न माध्यमों से नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। बैनर, पंपलेट, प्रचार रथ एवं लाउडस्पीकर के माध्यम से आमजन को नशे से दूर रहने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक, जन संवाद और शपथ दिलवाने जैसी गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को नशामुक्त जीवन अपनाने हेतु प्रेरित किया। झाबुआ पुलिस का यह अभियान समाज को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है। आमजन से भी आग्रह किया गया कि वे इस पहल में सहभागी बनें और समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करें।

निकाय के शाखा प्रभारियों को दिया प्रशिक्षण

झाबुआ । शासन के निर्देशानुसार सभी विभागों में ई-ऑफिस का क्रियांवयन किया जाना है। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग पंकज सांवले के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा जनपद पंचायत व नगरीय निकाय से विभागीय योजनाओं के आवेदनों को ऑनलाइन भेजे जाने हेतु सभी निकाय के शाखा प्रभारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया । उक्त प्रशिक्षण में नि :शक्त विवाह प्रोत्साहन योजना, कल्याणी विवाह सहायता योजना तथा अन्य पेंशन (वृद्ध/विधवा/दिव्यांग) योजनाओं को ऑनलाइन करना समझाया गया । फील्ड स्तर पर आ रही तकनीकी समस्याओं का किस प्रकार से समाधान किया जा सकता है यह बताया गया । इस दौरान सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रियांक पाटीदार, सुनील तिवारी तथा सभी जनपद, निकाय से शाखा प्रभारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर उपस्थित थे ।

शिविर | **18 जुलाई तक ही नए पंजीयन किए जाएंगे जिससे की पूर्व में पंजीयन किए लोगों का इलाज सुचारू रूप से किया जा सकेगा**

शिविर में उपचार कराने जिले के बाहर से भी आ रहे लोग

झाबुआ । सामाजिक महासंघ के तत्वाधान में प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन एवं वरिष्ठ नागरिक फोरम के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है 6 दिवसीय विशाल प्राकृतिक चिकित्सा शिविर के दूसरे दिन अचानक संख्या बढ़ जाने के कारण आयोजकों ने निर्णय लिया कि आगामी 18 जुलाई तक ही नए पंजीयन किए जाएंगे जिससे की पूर्व में पंजीयन किए लोगों का इलाज सुचारू रूप से किया जा सकेगा। इस प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में लगभग 350 लोगों ने अभी तक पंजीयन करवा लिए है, प्रत्येक रोगी को लगभग 30 मिनट तक प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से इलाज किया जा रहा है, इस कारण अत्यधिक मात्रा में आने वाले रोगियों का इलाज अब कर पाना संभव नहीं हो रहा है। 15 से 20 जुलाई तक प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली के माध्यम से इलाज किया जाएगा। प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित त्रिवेदी ने बताया की छह दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा शिविर को बड़ी सफलता मिल रही है। शिविर में झाबुआ शहर के अलावा राणापुर, अलीराजपुर, खंडवा, रतलाम, पिटोल, मेघनगर, कल्याणपुरा, रंभापुर के भी बड़ी संख्या में लोग आकर अपना उपचार करवा रहे हैं। शिविर रोजाना प्रात 8 से दोपहर 12 बजे तक एवं सायंकाल 4 से रात्रि 7 :30 बजे तक निरंतर चल रहा है। शिविर में दूसरे दिन से अचानक मरीजों की संख्या बढ़कर 350 हो गई है।

आयोजकों ने की आपातकालीन बैठक - महासंघ के उपाध्यक्ष शास्त्री एवं जयंत बैरागी ने बताया की शिविर में लगातार बढ़ रही संख्या को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम स्थल पर ही महासंघ, पेंशनर्स एसोसिएशन एवं वरिष्ठ नागरिक फोरम के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई जिसमें संख्या बढ़ने के कारण शिविर को व्यवस्थित चलाने पर सभी ने अपने-अपने विचार रखें। बैठक के दौरान नीरज राठौर उमंग सक्सेना पं . गणेश उपाध्याय, जितेंद्र शाह, नवलसिंह नायक, मोना पाटीदार, दिग्विजयसिंह पवार, भारती राठौर आदि ने बैठक में अपने-अपने विचार रखें एवं सभी ने जोधपुर के सुप्रसिद्ध थैरेपिस्ट डॉ नरेंद्र चौधरी थैरेपिस्ट डॉ लक्ष्मण सिंह, डॉ सियाराम चौधरी सहायक रमेश, श्रवण चिकित्सा सेवा रत्न से संख्या बढ़ने पर चर्चा की तो सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया गया कि 18 जुलाई तक ही लोगों का नए पंजीयन किए जाएंगे, उसके बाद पंजीयन पूर्णता बंद करके जो लोग रोजाना पंजीकृत रूप से आ रहे हैं, उन्हीं का उपचार किया जाएगा।

शिविर से लोग हो रहे लाभांवित - महासंघ के अध्यक्ष नीरज राठौर एवं महासचिव उमंग सक्सेना ने बताया की काफी लंबे अर्से बाद शहर में विशाल प्राकृतिक चिकित्सा शिविर लगाए जाने से लोगों में काफी विश्वास कायम हुआ है, जिले के अधिकतर लोग ब्लड प्रेशर, शुगर, मोटापा, गैस, कब्जियत, साइटिका एवं घुटना दर्द जैसी बीमारियों से पीड़ित है जिनका पूरी प्राकृतिक तरीके से इलाज किया जा रहा है। एक्यूप्रेशर सुजोक एवं वाइब्रेशन प्रणाली लोगों को खूब भा रही है, पुराने समय में जब लोग पैदल चला करते थे तब पैरों में एक्यूप्रेशर बड़े पैमाने पर होता था और लोग स्वस्थ रहते थे लेकिन इस आधुनिक आपा धापी में लोग यह सभी भूल गए थे, इस प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली को अपनाकर लोग अपना जीवन प्राकृतिक तरीके से जीने की बात पर भी विशेष बल दे रहे है।